an>

Title: Regarding proper loading and carrying of Coal racks in goods train.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (निरिडीह) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से कोयले से लदी हुई जो रैक जाती है, उसकी ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। आज की तारीख में झाझा-पटना रेल खंड पर हाल ही में कोयले से लदी हुई मालगाड़ी पूर्व रेलवे झाझा स्टेशन पर बर्निंग ट्रेन के रैक में आग लगी। उस वक्त आग पर काबू पाया गया, लेकिन यह अंदर ही अंदर सुलगती रही। जब मालगाड़ी को एनटीपीसी बाढ़ में कोयले को अनलोड करने के लिए रवाना किया गया, तो आग तेज हो गई। परिणामतः जलालपुर हॉल्ट के पास आठ झोपड़ियां जल गईं। हाथीडीह, मोकामा और पंडारक स्टेशनों के पास आग लगी। आग के दौरान रेल पटरियों के दोनों ओर की झाड़ियों में, गांव में आग लग गई।

उपाध्यक्ष महोदय, आपको जानकर ताज्जुब होगा कि पांच किलोमीटर तक ऐसे ही मालगाड़ी दौड़ती रही, लेकिन रेलवे शासन ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। आग लगा हुआ कोयला जब पॉवर प्लांट में जाएगा तो उससे कितना उत्पादन होगा? धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Sharad Tripathi and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Ravindra Kumar Pandey.